# कलम के जादूगर “प्रेमचंद” की 145वीं जयंती

# आईआईएम में मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर मंत्र का मंचन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। आईआईएम रांची के राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से महान हिंदी साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद को उनकी 145वीं जयंती पर एक विशेष सांस्कृतिक संध्या के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर संस्थान की सांस्कृतिक समिति ड्रामेबाज (द ड्रामा क्लब) की ओर से प्रेमचंद की चर्चित कहानी मंत्र पर आधारित नाट्य प्रस्तुति मंचित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष सह वरिष्ठ रंगकर्मी डॉ. कमल कुमार बोस थे। उन्होंने प्रबंधन संस्थान में हिन्दी परिवेश की सराहना की। साथ ही हिन्दी भाषा को आत्मीयता के साथ अपनाने की प्रेरणा दी। विद्यार्थियों की ओर से प्रस्तुत नाटक मंत्र एक प्रसिद्ध डॉक्टर और उसकी पत्नी की अंतरात्मा के द्वंद्व को दर्शाता है। एक ओझा अपने बीमार बच्चे को लेकर डॉक्टर से सहायता की गुहार लगाता है, लेकिन डॉक्टर उसकी बात को हल्के में लेते हुए कहता है, यह अभी हमारे खेलने का समय है। चिकित्सा के आभाव में बच्चे की मृत्यु हो जाती है। हालांकि कुछ समय बाद डॉक्टर के बेटे को सांप डंस देता है, डॉक्टर की दवा

से लेकर झाड़ फूक काम नहीं आता। सभी बच्चे को मृत घोषित कर देते हैं। इस बात की भनक लगते ही ओझा डॉक्टर के पास पहुंचकर उसके बेटे की जान बचा लेता है। इसके बाद से डॉक्टर और उनकी पत्नी आत्मग्लानि से भर जाते हैं। यह घटना उसके मन को पूरी तरह झकझोर देता है। कहानी का अंत आत्मबोध और पश्चाताप की भावना से होता है, जब पत्नी यह निर्णय लेती है कि अगर चिकित्सा में करुणा और मानवता नहीं है, तब वह केवल एक दिखावा है। मंत्र एक ऐसी कथा बन जाती है, जो विज्ञान, वर्गभेद और नैतिकता के बीच गहरी बहस छेड़ती है। मानवता को सबसे ऊपर रखती है। आयोजन के मौके पर डीन इंसी प्रो. अमित सचान समेत अन्य प्राध्यापक मौजूद थे।

रंगमंच • आईआईएम में मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती पर 'मंत्र' नाटक का मंचन ड्रामेबाज क्लब ने किया

# डॉक्टरों पर किया कटाक्ष, अमीर-गरीब सबके इलाज की सीख दी

रांची | आईआईएम रांची के राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से गुरुवार को हिंदी साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। संस्थान का ड्रामा क्लब ड्रामेबाज की ओर से प्रेमचंद की चर्चित कहानी "मंत्र' पर नाट्य प्रस्तुति हुई। मुख्य अतिथि वरिष्ठ रंगकर्मी डॉ. कमल कुमार बोस थे। उन्होंने हिंदी भाषा को आत्मीयता के साथ अपनाने के लिए प्रेरित किया। मंडीन इंसी प्रो. अमित सचान समेत अन्य शिक्षक मौजूद थे। मुख्य भूमिकाओं में निखिल गुप्ता- भगत बने थे। वहीं सृष्टि-भगत की पत्नी, साकेत प्रधान- डॉ. चड्ढा, संगिनी वर्मा-डॉ. चड्ढा की पत्नी, सूरज कुशवाहा-कैलाश, अमित-विनिला, सक्षम-कैलाश का दोस्त, दीपा-गांववाली, सौरभ, नरसिम्हन, जयराम, तारिनी, अमन डॉक्टर के दोस्त बने थे। एस विनय राजशेखर- बाबा, सोलो एक्ट-कुणाल। निहारिका, पीयूष, रूपमनी- आयोजनकर्ता के रूप में थे।

आईआईएम के स्टूडेंट्स की परिपक्व एक्टिंग देख सबनें तालियां बजाईं।

## डॉक्टर की अंतरात्मा के द्वंद्व को दिखाया

विद्यार्थियों की ओर से प्रस्तुत नाटक "मंत्र' में एक प्रसिद्ध डॉक्टर और उसकी पत्नी की अंतरात्मा के द्वंद्व को दर्शाया गया। एक ओझा अपने बीमार बच्चे को लेकर डॉक्टर से सहायता की गुहार लगाता है, लेकिन डॉक्टर उसकी बात को हल्के में लेते हुए कहता है कि यह अभी हमारे खेलने का समय है। चिकित्सा के अभाव में बच्चे की मृत्यु हो जाती है। कुछ समय बाद डॉक्टर के बेटे को सांप डस लेता है। डॉक्टर की दवा से लेकर झाड़फूंक काम नहीं आती और सभी बच्चे को मृत घोषित कर देते हैं। जबकि ओझा उसके बेटे की जान बचा लेता है। इसके बाद से डॉक्टर और उसकी पत्नी आत्मग्लानि से भर जाते हैं। कहानी का अंत डॉक्टर के आत्मबोध और पश्चाताप की भावना से होती है।

Dainik Bhaskar_01.08.2025_P. 04

# प्रेमचंद को नये कलेवर में नयी पीढ़ी के साथ जोड़ा जा सकता है : कुलपति

विशेष संवाददाता, रांची

केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) के कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने कहा है कि क्रिएटिव इकोनॉमी के दौर में प्रेमचंद को नये कलेवर में नयी पीढ़ी के साथ जोड़ा जा सकता है. आजकल कंटेंट क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स कहानी कहने के अनूठे अंदाज से देश-दुनिया की जानकारी लोगों तक पहुंचा रहे हैं. उसी प्रकार हमारी वृहद भारतीय ज्ञान परंपरा को भी वो लोगों तक पहुंचा सकते हैं. कुलपति गुरुवार को विवि में प्रेमचंद जयंती पर आयोजित हिंदी कार्यशाला में बोल रहे थे. मौके पर मधुरागी श्रीवास्तव,प्रो रत्नेश विष्वक्सेन, प्रो श्रेया भट्टाचार्यी प्रो देवव्रत सिंह, उपकुलसचिव लेफ्टिनेंट कमांडर उज्ज्वल कुमार, डॉ सुदर्शन यादव, डॉ रवि रंजन और नफीस अहमद खान आदि उपस्थित थे. धन्यवाद डॉ जगदीश सौरभ ने किया. इस अवसर पर

## प्रेमचंद की जयंती पर आइआइएम में नाट्य मंचन

**रांची.** आइआइएम रांची के राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से हिंदी साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती के अवसर पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया. सांस्कृतिक समिति ड्रामेबाज की ओर से प्रेमचंद की चर्चित कहानी मंत्र पर आधारित नाटक का मंचन किया गया. मुख्य अतिथि डॉ कमल कुमार बोस ने प्रबंधन संस्थान में हिंदी परिवेश की सराहना की. मौके पर डीन इइसी प्रो अमित सचान सहित अन्य प्राध्यापक उपस्थित थे.

## पीजी हिंदी विभाग में तुलसी सह प्रेमचंद जयंती

**रांची.** रांची विवि के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग में तुलसी सह प्रेमचंद जयंती मनायी गयी. कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ सुनीता यादव ने.की. मौके पर डॉ हीरानंदन प्रसाद, डॉ चंद्रिका ठाकुर, डॉ कुमुदकला मेहता, डॉ नियति कल्प, डॉ सुनीता कुमारी, डॉ सुनीता गुप्ता, शोधार्थी ज्योति कुमारी, दामोदर तुरी, पिंकी कुमारी, आलोक कुमार, गौतम अंबुज ने विचार रखे. धन्यवाद ज्ञापन अदिति ने किया.

## रामलखन सिंह यादव कॉलेज में मनी प्रेमचंद जयंती

**रांची.** राम लखन सिंह यादव कॉलेज में गुरुवार को प्रेमचंद जयंती मनायी गयी. हिंदी विभाग के बीए तृतीय और पांचवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों के बीच प्रेमचंद की कहानी 'सद्गति' पर बनी सत्यजीत रे की फिल्म स्क्रीनिंग हुई. मौके पर डॉ पार्वती तिर्की, डॉ आगा जफर, डॉ स्मिता किरण टोप्पो, डॉ मनीष टुडू, डॉ अजीत मुंडी और सेवती सुरीन मौजूद थे. आयोजन में डॉ माधुरी दास और संदीप का विशेष योगदान रहा.

Prabhat Khabar_01.08.2025_P. 7

# आईआईएम रांची में नाटक 'मंत्र' की हुई प्रस्तुति

रांची। आईआईएम रांची के राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती पर विशेष सांस्कृतिक संध्या का आयोजन गुरुवार को किया गया। संस्थान की सांस्कृतिक समिति ड्रामेबाज (द ड्रामा क्लब) की ओर से प्रेमचंद की चर्चित कहानी 'मंत्र' पर आधारित नाट्य प्रस्तुति हुई। मंत्र की प्रस्तुति के माध्यम से छात्रों ने विज्ञान, वर्गभेद और नैतिकता के बीच गहरी बहस छेड़ी।मुख्य अतिथि संत जेवियर्स कॉलेज के पूर्व प्राध्यापक डॉ कमल कुमार बोस ने प्रमचंद के साहित्य पर विस्तार से जानकारी दी। मौके पर प्रो अमित सचान समेत प्राध्यापक मौजूद थे।

Hindustan_01.08.2025_P.9